मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 271, मुंबई, शुक्रवार, 8 जनवरी, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

कोरोनाः वैक्सिनेशन से पहले आज सबसे बड़ी रिहर्सल

देश के 736 जिलों में एक साथ ड्राई रन

नई दिल्ली। देश में कोरोना का टीकाकरण कार्यक्रम शुरू होने से पहले आज 8 जनवरी को सबसे बड़ी रिहर्सल है। देश के सभी 736 जिलों में आज ड्राई रन किया जाएगा। इसमें तैयारी इस बात की है कि कैसे लोगों को कोरोना का टीका लगाना है, उसकी पूरी प्रक्रिया क्या है। इससे पहले 28 और 29 दिसंबर को 4 राज्यों में दो दिन के लिए ड्राई रन किया गया था। इसके बाद 2 जनवरी को सभी राज्यों में ड्राई रन चलाया गया था और अब 33 राज्यों (हरियाणा, हिमांचल और अरुणाचल को छोड़कर)/ केंद्रशासित प्रदेशों में वैक्सीन का फिर से ड्राई रन शुरू हो रहा है। बता दें कि गुजरात, पंजाब, असम और आंध्र प्रदेश में ड्राई रन को लेकर अच्छे रिजल्ट सामने आए थे। (शेष पृष्ठ 3 पर)

हेमंत नागराले बने महाराष्ट्र के DGP

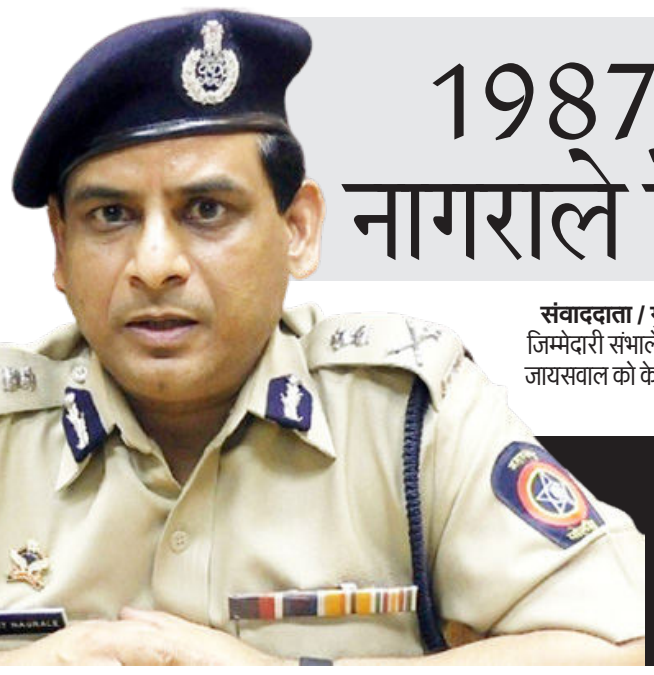

1987 बैच के आईपीएस नागराले ने पदभार किया ग्रहण

संवाददाता / मुंबई। 1987 बैच के आईपीएस अधिकारी हेमंत नागराले अब महाराष्ट्र के डीजीपी पद की अतिरिक्त जिम्मेदारी संभालेंगे। गुरुवार को मुंबई पुलिस मुख्यालय में उन्होंने पदभार ग्रहण किया। वर्तमान डीजीपी सुबोध कुमार जायसवाल को केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर भेज दिया गया है। वे सीआईएसएफ के डीजी बनकर दिल्ली गए हैं। गुरुवार को महाविकास अघाड़ी सरकार ने नागराले के नाम पर मुहर लगा दी है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

कर्मचारियों पर सख्त एक्शन लेने के लिए हैं फेमस, नागराले के पास पुलिस महा संचालक (लीगल एंड टेक्निकल) की जिम्मेदारी

आखिरकार ट्रंप ने मानी हार

बाइडन को सत्ता सौंपने को हुए तैयार

नमस्ते ट्रम्प

सीनेट ने भी जीत पर लगाई मुहर

बाइडेन अब 20 जनवरी को लेंगे शपथ

नई दिल्ली। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों के हंगामे के बीच कांग्रेस के दोनों सदनों ने जो बाइडन और कमला हैरिस की जीत पर अपनी मुहर लगा दी है। अब 20 जनवरी को जो बाइडन देश के 46वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ लेंगे। वहीं डोनाल्ड ट्रंप ने भी पहली बार अपनी हार स्वीकार करते हुए सत्ता के व्यवस्थित हस्तांतरण की बात कही है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

हैवानियत के बाद

इंसानियत फिर शर्मसार है। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में एक महिला के साथ हुई ज्यादती को जितना धिक्कारा जाए, कम है। इस जघन्य अपराध ने पूरे समाज को झकझोरकर रख दिया है। इस घटना के बाद दिल्ली के निर्भया कांड की याद आना ही अपने आप में यह दशार्ने के लिए काफी है कि यह हैवानियत जल्दी भुलाई नहीं जाएगी। इस हैवानियत से एक बार फिर यह संदेश उभरा है कि महिला भले ही ज्यादा उम्र की हो, वह सुरक्षित नहीं है। दूसरी बात, जैसा कि बताया जा रहा है, महिला धर्मस्थल गई थी और एक कथित कर्मकांडी, उसके चेले व ड्राइवर उसे मरणासन्न स्थिति में घर छोड़ गए। घर पहुंचते ही महिला की मौत हो गई। पूरी सच्चाई तो जांच के बाद सामने आएगी, लेकिन जो दुखद तथ्य सामने आए हैं, उनसे किसी भी भले इंसान का भरोसा हिल सकता है। क्या किसी भी उम्र में महिलाओं का अकेले धर्मस्थल जाना सुरक्षित नहीं रहा? क्या हमारे कुछ धर्मस्थल शांति या सदाचार के केंद्र नहीं रहे? समाज को ईमानदारी से अपने धर्मस्थलों की नैतिक सफाई और वहां किसी दर्शनार्थी की सुरक्षा पर ध्यान देना चाहिए? संभव है, महिला के साथ कहीं और ज्यादती हुई हो, लेकिन जो प्रथम दृष्टया संदेश है, उसके संकेतों को परखते हुए व्यापक सुधार करने पड़ेंगे। शासन-प्रशासन के मोर्चे पर बदायूं की हैवानियत ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि निचले स्तर के अधिकारी जब तक संवदेनशील नहीं होंगे, तब तक कानूनों के मूलभाव की रक्षा कैसे होगी? बलात्कार के खिलाफ कडे. कानून हमारे यहां बनाए गए हैं, खुद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कानून-व्यवस्था को लेकर संवेदनशील हैं, लेकिन इसके बावजूद निचले स्तर पर अधिकारी लापरवाही बरत रहे हैं। यह हाथरस में भी देखने को मिला था और अब बदायूं में भी। इससे होता यह है कि अन्य अधिकारियों या राज्य सरकार के अच्छे कामों पर भी पानी फिर जाता है। ऐसी जघन्य घटनाएं भले कम होती हैं, पर ये लोगों को समझ जरूर दे जाती हैं। अच्छी बात है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने पहले की घटनाओं से सबक लेकर न केवल इंस्पेक्टर को निलंबित किया, बल्कि एडीजी स्तर के अधिकारी को जांच सौंपी है। राज्य सरकार मिशन शक्ति भी चला रही है। महिलाओं और कमजोर तबकों को सशक्त करने के अनेक प्रयास चल रहे हैं, लेकिन निचले स्तर के अधिकारियों, खासकर गांव-देहात, कस्बों में पदस्थ अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। सुनिश्चित करना चाहिए कि निचले स्तर के अधिकारियों की लापरवाही से सरकार के अच्छे कामों पर पानी न फिर जाए।

चीन की तैयारियां और भारत!

भाजपा के सांसद सुब्रह्मण्यम स्वामी ने अच्छा याद दिलाया। उन्होंने ट्विट करके कहा कि वैक्सीन के हल्ले में सरकार यह न भूले कि देश की अर्थव्यवस्था ढह रही है और चीन ने लद्दाख में भारत की चार हजार वर्ग किलोमीटर जमीन कब्जा कर ली है। यह सचमुच चिंता की और हैरानी की बात भी है कि वैक्सीन के हल्ले में अर्थव्यवस्था और चीन की चिंता हाशिए में चली गई है। पिछले साल कोरोना वायरस की महामारी के बावजूद चीन की घुसपैठ और भारत की जमीन कब्जा करने की उसकी कोशिशों पर चर्चा हो रही थी। सरकार भी सैन्य या कूटनीतिक चैनल से गतिरोध दूर करने के प्रयास करती दिख रही थी। लेकिन अब चीन के मोर्चे पर क्या हो रहा है, यह किसी को पता नहीं है। काफी समय से दोनों देशों के बीच सैन्य कमांडर स्तर की वार्ता नहीं हुई है, जिसका मतलब है कि यथास्थिति बनी हुई है।

लद्दाख में पैंगांग झील और देपसांग के इलाके में यथास्थिति बने रहने का नया मतलब यह है कि चीन हमारी सीमा में घुस कर, हमारी जमीन कब्जा करके बैठा है और तमाम प्रयासों के बावजूद पीछे नहीं हट रहा है। वह पीछे नहीं हट रहा है इसका नतीजा यह हुआ है कि भारत के 80 हजार से लेकर एक लाख जवान हिमालय की ऊंची बर्फीली चोटियों पर बैठे हैं। माइनस 40 डिग्री की ठंड में भारत के जवान इन चोटियों पर डटे हुए हैं। आमतौर पर नवंबर में ठंड और बर्फबारी शुरू होने के बाद सैनिक पीछे हट जाते हैं। लेकिन इस बार चीन ने ऐसी चुनौती पैदा की है कि मजबूरी में भारतीय सैनिकों को ऊंची बर्फीली चोटियों पर रूके रहना पड़ा है। भारतीय सैनिक चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी को आगे बढ़ने से रोकने के लिए वहां बैठे हैं। लेकिन असली प्रयास तो चीन को पीछे हटाने का होना चाहिए! अगर चीन पीछे नहीं हटता है तो अप्रैल 2020 से पहले की यथास्थिति कैसे बहाल होगी? इस बीच चीन के राष्ट्रपति शी जिनफिंग ने अपनी सेना से कहा है कि वह युद्ध के लिए पूरी तरह तैयार रहे। चीन के केंद्रीय सैन्य आयोग के प्रमुख के नाते नए साल के अपने पहले संदेश में राष्ट्रपति शी ने सेना को युद्ध के लिए तैयार रहने को कहा और साथ ही यह भी कहा कि तैयारी वास्तविक युद्ध की स्थितियों के लिए होनी चाहिए। उन्होंने अभ्यास ज्यादा करने, मारक क्षमता बढ़ाने और हाई एलर्ट पर रहने का संदेश दिया। हो सकता है कि यह नए साल का रूटिन संदेश हो। लेकिन सोचें, चीन को किसके खिलाफ

युद्ध के लिए तैयार रहना है? चीन के आसपास के देश जैसे रूस, उत्तर कोरिया, पाकिस्तान आदि उसके दोस्त हैं और बाकी देश इतने छोटे हैं कि चीन उनकी दुश्मनी की परवाह नहीं करता है। सो, चीन की किसी भी तैयारी का एकमात्र निशाना भारत है। इस बात को दुनिया के देश समझ रहे हैं। तभी अमेरिकी संसद में इसे लेकर एक कानून बनाया गया है। पिछले हफ्ते पास हुए इस कानून में चीन से कहा गया है कि वह भारत के प्रति आक्रामक रवैया खत्म करे और लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर जो कर रहा है वह बंद करें। सोचें, सात समुंदर पार अमेरिका ने चीन की मंशा समझ ली, उसे पता है कि लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन गुंडागर्दी कर रहा है, लेकिन भारत सरकार क्या कर रही है? क्या भारत सरकार को भी संसद में इस मसले पर खुली चर्चा करा कर और देश को वास्तविकता बता कर चीन के खिलाफ कोई कानून नहीं बनाना चाहिए, कोई प्रस्ताव नहीं पास करना चाहिए? लेकिन भारत के हुक्मरान इस बात को मानने को ही राजी नहीं हैं कि चीन ने भारत की जमीन हड़प ली है। प्रधानमंत्री से लेकर रक्षा मंत्री तक सब बार-बार एक ही बात दोहराते हैं कि 'न कोई भारत की सीमा में घुसा है और न कोई घुस आया है' या 'एक इंच जमीन किसी को नहीं लेने देंगे'।

सवाल है कि जो जमीन चीन ने ले ली उसका क्या? क्या सरकार उससे अपनी जमीन छुड़ाने के लिए कुछ नहीं करेगी? सरकार क्या यह समझ रही है कि चाइनीज ऐप्स पर पाबंदी लगा देने से चीन पर इतना दबाव हो जाएगा कि वह भारत के सामने झुक जाएगा और जमीन लौटा कर वापस चला जाएगा? अभी खबर है कि दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल प्रोजेक्ट में भारत सरकार ने एक चीनी कंपनी को 11 सौ करोड़ रुपए का ठेका दिया है। इसका मतलब है कि भारत की जमीन हथियाने वाली चीन की कार्रवाई के जवाब में भारत सरकार उसके खिलाफ सैन्य कार्रवाई तो नहीं ही कर रही है, उस पर कोई आर्थिक भार भी नहीं डाल रही है। कूटनीति या राजनय में भी कहीं ऐसा नहीं दिख रहा है कि चीन को बैकफुट पर लाने के लिए भारत कोई कदम उठा रहा है। अमेरिका ने भारत के खिलाफ आक्रामकता बंद करने के लिए चीन विरोधी कानून बनाने से पहले तिब्बत को लेकर भी एक कानून बनाया, जिसमें उसने कहा कि नया दलाई लामा चुनना और उसे कामकाज सौंपना पूरी तरह से मौजूदा दलाई लामा का अधिकार है, इसमें चीन किसी तरह से दखल नहीं दे सकता है। लेकिन भारत की हिम्मत नहीं हो रही है कि वह अपने देश में पिछले 63 साल से रह रहे दलाई लामा के साथ इस तरह के खड़ा हो, बल्कि भारत में तो इसका उलटा हो रहा है। चीन की चिंता में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दलाई लामा को उनके जन्मदिन की बधाई देनी भी बंद कर दी है तो भारत उनके हित की लड़ाई कैसे लड़ सकता है? अमेरिका ने कानून बनाया तो उसे कुछ भी कहने की हिम्मत चीन की नहीं हुई, लेकिन भारतीय मीडिया में यह बात छपी तो चीन ने प्रेस कांफ्रेंस करके भारतीय मीडिया को धमकी दी और उसके बाद से सरकार की तरह ही मीडिया में भी चौतरफा चुप्पी छा गई। भारत की चुप्पी या झूठ के प्रचार का नतीजा यह हुआ है कि चीन की हिम्मत बढ़ती जा रही है। वह सिर्फ पूर्वी लद्दाख में भारत की जमीन कब्जा करके शांत बैठने वाला नहीं है। वह धीरे धीरे पूरे इलाके पर कब्जा करने की अपनी दक्षिण चीन सागर वाली नीति हिमालय तक ले आया है। उसने लद्दाख से लेकर सिक्कम और अरुणाचल प्रदेश तक अपने पैर फैला दिए हैं। उसने पूर्वी भूटान के ऐसे इलाकों पर दावा किया है, जहां तक पहुंचने के लिए अरुणाचल प्रदेश के बीच से होकर जाना होगा। इसका सीधा मतलब है कि वह भूटान के एक हिस्से के साथ साथ अरुणाचल पर अपना अधिकार जता रहा है। उसने डोकलाम में भारत की जमीन कब्जा की है और भारत की सीमा में कई मील तक अंदर घुसा है यह बात कई बार भाजपा के अपने सांसद तापिर गावो ने कही है। भारत की सीमा पर चीन गांव बना रहा है और अपने लोगों को लाकर वहां बसा रहा है। कर्ज देकर देशों को गुलाम बनाने वाली अपनी 'डेट ट्रैप डिप्लोमेसी' के तहत उसने जिस तरह से पाकिस्तान को अपना उपनिवेश बनाया है वैसे ही नेपाल को भी बना रहा है। म्यांमार से लेकर श्रीलंका और बांग्लादेश तक को उसने कर्ज देकर उन पर अपना अहसान बनाया है।

कोरोना टीके पर टीका-टिप्पणी

कोरोना से जैसा युद्ध भारत करेगा, वैसा कोई और देश करने की स्थिति में नहीं है। 30 करोड़ लोगों को फिलहाल टीका लगाने की तैयारी है। इतने लोग तो बस दो-तीन देशों में ही हैं। धीरे-धीरे भारत में 140 करोड़ लोगों को भी कोरोना का टीका मिल सकेगा। मकर संक्राति के दिन से टीकाकरण की यह क्रांति शुरू हो जाएगी। इस टीका-क्रांति को लेकर दो टीका-टिप्पणी हो रही है। एक तो पक्ष और विपक्ष के नेताओं के बीच और दूसरी टीकानिर्माता दो भारतीय कंपनियों के बीच। दोनों कंपनियों भारत बायोटेक और सीरम-इंस्टीट्यूट्झ ने एक-दूसरे के टीके के बारे में जो विवाद खड़ा किया था, उसे अब उन्होंने खुद ही सुलझा लिया है। इन दोनों के टीके दुनिया के सबसे सस्ते टीके होंगे। ये टीके भारत के वातावरण के भी अनुकूल होंगे। इन्हें सदा 200 या 300 डिग्री ठंडे शीतमान में रखने की जरुरत नहीं होगी। इन्हें सुरक्षित रखने के लिए सरकार ने हजारों शीतयंत्र तैयार कर लिये हैं। 37 राज्यों के 41 हवाई अड्डों पर इस टीके को भिजवाने का इंतजाम हो गया है। हवाई अड्डे से टीका-केंद्र तक भी टीका मिनटों में सुरक्षित पहुंचवाने की व्यवस्था की जा रही है।

हर प्रदेश में हजारों टीका-केंद्र बनाए जा रहे हैं ताकि बुजुर्ग और कमजोर लोगों की भी समुचित सेवा हो सके।सरकार को इस अभियान में अभी 13,500 करोड़ रु. खर्च करने होंगे। अंदाज है कि सरकार को लगभग 30 हजार कोल्ड चेनों, 45 हजार बर्फीले रेफ्रीजरेटरों और 41 हजार डीप फ्रीजरों का प्रबंध करना होगा। यह टीका बुजुर्गों और बीमारों को पहले दिया जाएगा। इस गणित को भी स्वास्थ्य मंत्रालय सुलझा रहा है। वास्तव में कई मंत्रालयों के सहयोग से ही यह अभियान सफल होगा। यह अभियान लगभग वैसा ही है, बल्कि उससे भी ज्यादा गंभीर है, जो हमारे देश में चुनावों के दौर में होता है। इस अभियान में देश के सभी लोग का अधिकतम सहयोग होना चाहिए लेकिन हमारे विपक्षी नेताओं ने इस राष्ट्रसेवा के मामले में भी विवाद खड़े कर दिए हैं। उनका कहना है कि इस टीके का तीसरे परीक्षण के पहले ही उपयोग करना खतरनाक है। क्या हम अपने वैज्ञानिकों से भी ज्यादा उनकी बात को प्रामणिक मानें? यदि कुछ खतरा होगा तो उसका पता तुरंत चलेगा और तत्काल समुचित कार्रवाई होगी। कुछ लोग टीके के बारे में यह भ्रम भी फैला रहे हैं कि इसमें सूअर या गाय की चर्बी है और उसको लगवानेवाला नपुंसक हो जाएगां इन विघ्नसंतोषी टीका-टिप्पणियों को दरकिनार करके इस अभियान को सफल बनाना हर भारतीय का कर्तव्य है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, शुक्रवार
8 जनवरी, 2021

लोकल में बेहिचक हो रही बेटिकट यात्रा

संवाददाता

मुंबई। लोकल ट्रेनों में सामान्य यात्रियों को सरकार की अनुमति का बेसब्री से इंतजार है। हालांकि कुछ लोगों से इंतजार नहीं हो रहा है और ऐसे लोग बेटिकट यात्रा करने से भी नहीं कतराते हैं। रेलवे में रोजाना बेटिकट यात्रियों की संख्या बढ़ती जा रही है। अनलॉक के इस दौर में धीरे-धीरे लोकल की सेवाएं बढ़ा दी गई हैं, लेकिन अब भी आम जनता को लोकल का टिकट नहीं मिल पा रहा है। काउंटर पर लोकल का टिकट न मिलने से यात्रियों को अब बेटिकट यात्रा की आदत लग गई है। मध्य रेलवे ने लोकल की फोकट यात्रा करने वाले यात्रियों के विरोध

में 5 जनवरी को सीएसएमटी स्टेशन पर स्पेशल ड्राइव चलाई थी। सुबह 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक चलाए गए इस अभियान में मध्य रेलवे ने सीएसएमटी स्टेशन पर 382 यात्रियों को बिना टिकट पकड़ा। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) पर 9 घंटे चलाए गए इस अभियान में हर घंटे औसतन 42 यात्री पकड़े गए। यानी हर डेढ़ मिनट में एक यात्री सीएसएमटी पर बिना टिकट पकड़ा गया। बिना टिकट यात्रियों को पकड़ने के लिए मध्य रेलवे ने सीएसएमटी पर 50 टीसी और 10 आरपीएफ जवानों को तैनात किया था। पकड़े गए 382 यात्रियों से कुल 91,000 रुपये जुर्माना वसूला गया।

16 लाख के करीब यात्री: पश्चिम और मध्य रेलवे पर अब यात्रियों की संख्या 16 लाख के करीब पहुंच गई है। गौरतलब है कि अब किसी विशेष वर्ग को अनुमति नहीं दी जा रही है, बावजूद इसके यात्रियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। पीक आर्स में भीड़ देखकर भी अंदाजा लगाया जा सकता है कि रेलवे अब यात्रियों की अनुमति को लेकर उतनी कठोर नहीं है। कई यात्रियों का कहना है कि पकड़े जाने पर टिकट का पैसा और 250 रुपये जुर्माना कई घंटे के ट्रैफिक जाम से ज्यादा बेहतर है।

दिलीप छाबड़िया के खिलाफ कपिल शर्मा ने दर्ज करवाया बयान

5 करोड़ रुपए लेने के बावजूद डीसी ने टाइम पर नहीं दी वैनिटी वैन

मुंबई। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम ने कमीडियन कपिल शर्मा को समन भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया था, जिसके बाद कपिल शर्मा गुरुवार को बयान देने पहुंचे। मामला मशहूर कार डिजाइनर दिलीप छाबड़िया से जुड़ा है। दिलीप छाबड़िया धोखाधड़ी मामले में पहले से ही पुलिस की गिरफ्त में हैं। कपिल शर्मा ने भी मुंबई पुलिस में एक शिकायत देकर दिलीप छाबड़िया पर धोखा देने का आरोप लगाया था। क्राइम ब्रांच की टीम ने इसी मामले में गवाह के तौर पर कपिल

शर्मा का बयान दर्ज किया है। समन के बाद कपिल शर्मा गुरुवार को बयान देने क्राइम ब्रांच के दफ्तर पहुंचे। बयान दर्ज करवाने के बाद कपिल ने कहा, साल 2017 मे हमने एक वैनिटी वैनन ऑर्डर की थी। बाद में पता चला कि जिन्हें ऑर्डर दिया था वह किसी और मामले में गिरफ्तार हुए हैं... बस इसी सिलसिले मे यह पूछताछ थी। मैंने भी शिकायत दर्ज करवाई थी। खबर के मुताबिक, मुंबई पुलिस ने अपने बयान में कहा, 'कमीडियन कपिल शर्मा को क्राइम ब्रांच की टीम ने समन भेजा। कार डिजाइनर दिलीप छाबड़िया के कथति धोखाधड़ी मामले में उनका बयान गवाह के तौर पर दर्ज किया जाएगा।'

28 दिसंबर को गिरफ्तार किए गए हैं दिलीप छाबड़ा: डीसी डिजाइन' के संस्थापक और मशहूर कार डिजाइनर दिलीप छाबड़िया को 28 दिसंबर को मुंबई क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। दिलीप छाबड़िया के खिलाफ धोखाधड़ी के मामले दर्ज किए गए हैं। उनके खिलाफ आईपीसी की धारा 420, 465, 467, 468, 471, 120 (बी) और 34 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मल्टीपल कार रजिस्ट्रेशन का रैकेट चलाने का आरोप: जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने दिलीप छाबड़िया की एक लग्जरी कार भी जब्त की है। दिलीप छाबड़िया पर मल्टीपल कार रजिस्ट्रेशन का रैकेट चलाने का आरोप है। पुलिस ने उनके पास से लगभग 75 लाख रुपये की कीमत वाली एक हाईएंड स्पोर्ट कार जब्त की है। यह कार इंद्रमल रमानी के नाम से तमिलनाडु के क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में रजिस्टर है। पुलिस का कहना है कि उसने मामले में धोखाधड़ी, जालसाजी, विश्वासघात और आपराधिक साजिश की एफआईआर दर्ज की है।

रेलवे स्टेशन पर बुकिंग कर्मी ने की खुदकुशी

मुंबई। यहां के एक उपनगरीय रेलवे स्टेशन पर 50 वर्षीय मुख्य बुकिंग पर्यवेक्षक के बृहस्पतिवार सुबह अपने केबिन में खुदकुशी करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि मृतक की पहचान किशोर कदम के तौर पर हुई है। वह विद्या विहार पुलिस थाना क्षेत्र में एक तार के सहारे पंखे से लटकते पाए गए। अधिकारी ने बताया कि कदम निकटवर्ती ठाणे जिले के कल्याण इलाके का रहने वाला था और वह आम दिनों की तरह ही सुबह नौ बजे से

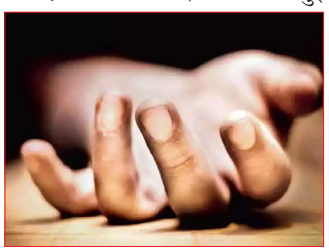

शाम सात बजे तक की अपनी ड्यूटी पर आया था लेकिन कुछ समय बाद उनके कुछ सहकर्मियों ने उसे फंदे से लटकता पाया। उन्होंने कहा कि मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है और इस कदम के पीछे की वजह की तत्काल कोई जानकारी नहीं है। पुलिस उपायुक्त (जोन सात) प्रशांत कदम ने बताया कि प्राथमिक जानकारी के मुताबिक दुर्घटना से मौत का मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

हेमंत नागराले बने महाराष्ट्र के डीजीपी

हेमंत नागराले अगले 19 महीनों तक महाराष्ट्र के डीजीपी रह सकते हैं। नागराले 2016 में नवी मुंबई के पुलिस आयुक्त भी रह चुके हैं। इसके बाद 2018 में वे नागपुर ट्रांसफर किए गए थे। फिलहाल वे पुलिस महासंचालक (लीगल एंड टेक्निकल) के पद पर कार्यरत हैं। नवी मुंबई के पुलिस आयुक्त रहने के दौरान 2017 में वाशी के बैंक ऑफ बड़ौदा में हुई चोरी का भंडा फोड़ सिर्फ दो दिन में किया था। पॉप सिंगर जस्टिन बीबर के प्रोग्राम के दौरान बेहतर कानून व्यवस्था के लिए सरकार ने किया था सम्मानित। ड्यूटी पर लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों पर वे सख्त एक्शन लेने के लिए भी मशहूर हैं। विधान परिषद की मंजूरी न लेते हुए उन्होंने शेकाप पार्टी के विधायक जयंत पाटिल के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था, इसके बाद 2018 में उन्हें निलंबित भी किया गया। रायगढ़ जिला मध्यवर्ती कोऑपरेटिव बैंक के कर्ज वसूली मामले में भी बैंक के अध्यक्ष और संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश हेमंत नागराले ने दिया था।

आखिरकार ट्रंप ने मानी हार

कांग्रेस के संयुक्त सत्र ने तीन नवंबर को हुए चुनाव में राष्ट्रपति पद पर जो बाइडन एवं उपराष्ट्रपति पद पर कमला हैरिस को मिली जीत को सत्यापित कर दिया। इसके बाद अपनी हार मानते हुए ट्रंप ने कहा कि 20 जनवरी को जो बाइडन को सत्ता का 'व्यवस्थित' हस्तांतरण किया जाएगा। बता दें कि यह पहली बार है जब ट्रंप ने अपनी हार को स्वीकार किया है। अबतक वे चुनावों में धांधली का आरोप लगाते हुए नतीजों को पलटने की कोशिश कर रहे थे। निर्वाचन का सत्यापन कांग्रेस के संयुक्त सत्र में गुरुवार तड़के किया गया। निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सैकड़ों समर्थकों द्वारा कांग्रेस की कार्यवाही बाधित किए जाने के बाद बुधवार देर रात संयुक्त सत्र की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई। निर्वाचन मंडल के मतों की पुष्टि कैपिटल हिल पर हिंसा की घटना के बाद आई है जिसमें चार लोगों की मौत हुई है और इलाके में लॉकडाउन लगाना पड़ा है। इस हिंसा में सुरक्षाकर्मियों के लिए अपनी जान बचाकर भागने की नौबत आ गई और कैपिटल परिसर के भीतर गोलीबारी की घटना हुई। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति चुनाव में बाइडन करीब आठ करोड़ मतों के साथ निर्वाचन मंडल के 306 मतों को हासिल करने में सफल हुए थे। संसद में दो घंटे तक चली सत्यापन की कार्यवाही का सांसदों ने पार्टी लाइन से हटकर समर्थन किया। यहां तक कि उन्होंने दो राज्यों- एरिजोना एवं पेंसिल्वेनिया में निर्वाचन संबंधी आपत्तियों को भी खारिज कर दिया। सीनेट ने छह मतों के मुकाबले 93 मतों से एरिजोना के चुनाव नतीजों पर आपत्ति को अस्वीकार किया जबकि प्रतिनिधि सभा ने इसे 121 के मुकाबले 303 मतों से खारिज किया। इसी प्रकार सीनेट ने पेंसिल्वेनिया के चुनाव नतीजों पर आपत्ति को सात के मुकाबले 97 मतों से अस्वीकार किया जबकि प्रतिनिधि सभा में आपत्ति 138 के मुकाबले 282 मतों से नामंजूर हुई। भारतीय मूल के चार सांसदों- रो खन्ना, एमी बेरा, राजा कृष्णमूर्ति और प्रमिला जयपाला ने आपत्ति के खिलाफ मत दिया।

कोरोना: वैक्सिनेशन से पहले आज सबसे बड़ी रिहर्सल

इसके बाद सरकार ने पूरे देश में ड्राई रन को लागू करने का फैसला किया था। अब एकबार फिर केंद्र सरकार पूरे देश में ड्राई रन करने जा रही है। इससे पहले गुरुवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक की। राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों और प्रमुख अधिकारियों के साथ बैठक में हर्षवर्धन ने वैक्सीन के खिलाफ फैलाए जा रहे दुष्प्रचार पर चिंता जताते हुए कहा कि इससे टीकाकरण की तैयारियों को धक्का लग सकता है। देश में टीकाकरण कार्यक्रम अगले हफ्ते से शुरू हो सकता है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार को बताया गया था कि कोरोना वैक्सीन को मंजूरी मिलने के बाद टीकाकरण का कार्यक्रम 10 दिन बाद शुरू हो सकता है। कोरोना वैक्सीन के आपातकालीन इस्तेमाल को लेकर डीसीजीआई ने 3 जनवरी (रविवार) को अपनी मंजूरी दी थी। इस लिहाज से 13 या 14 जनवरी से देश में कोरोना वैक्सीनेशन का कार्यक्रम शुरू हो सकता है। बता दें कि भारत में कोरोना की दो वैक्सीन को मंजूरी मिल चुकी है। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की कोविशील्ड और भारत बायोटेक की कोवैक्सीन को आपातकालीन इस्तेमाल की इजाजत मिली है। कोरोना के टीके को मंजूरी मिलने के बाद देश अब टीकाकरण कार्यक्रम का इंतजार कर रहा है।

दिल्ली में मेडिकल कॉलेजों को खोलने की मिली मंजूरी

शारीरिक दूरी का पालन जरूरी

नई दिल्ली। राजधानी में कोरोना से बेहतर होते हालातों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने दिल्ली सरकार के अधीन आने वाले सभी मेडिकल कॉलेजों को खोलने की अनुमति दे दी है। बृहस्पतिवार को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के विशेष सचिव एसएम अली ने इस बाबत आदेश जारी कर दिया है। आदेश के मुताबिक, सभी मेडिकल कॉलेजों को सामाजिक दूरी और कोविड से बचाव के सभी नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा। संस्थान एक चरणबद्ध तरीके से खोले जाएंगे। पहले चरण में एमबीबीएस और बीडीएस के पहले साल के बैच को इस रीके से बुलाया जाएगा, ताकि एक समय में ज्यादा भीड़ इकठ्ठी न हो। कॉलेज दोबारा खुलने की तारीख से डेढ़ से 2 महीने के अंदर पढ़ाई और प्रैक्टिकल पूरे करा लिये जाएंगे। इसके बाद अंतिम वर्ष के छात्रों को कॉलेज आने की अनुमति दी जाएगी। अंतिम साल के छात्र सफलतापूर्वक

ट्रेनिंग पूरी करने पर फाइनल ईयर एग्जाम के देने के लिए योग्य माने जाएंगे। फाइनल ईयर की परीक्षा पास करने के बाद वो बतौर इंटर्न जॉइन कर सकते हैं। इसके बाद सेकेंड ईयर के एमबीबीएस और बीडीएस के छात्रों को कॉलेज दोबारा बुलाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। कोरोना के मद्देनजर लॉकडाउन के बाद भारत सरकार, दिल्ली सरकार की ओर से जारी सभी गाइडलाइन का पालन कराना अनिवार्य होगा।

किसान आंदोलन सुप्रीम कोर्ट चिंतित

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, जमीनी स्तर पर नहीं हुआ सुधार, सुनवाई 11 को

■ नई दिल्ली (संवाददाता)।

पिछले 40 दिन से अधिक समय से दिल्ली की सीमाओं पर चल रहे किसान आंदोलन के जारी रहने पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई। शीर्ष कोर्ट ने साफतौर पर कहा कि जमीनी स्तर पर सुधार नहीं हुआ है। सरकार और आंदोलनकारी किसानों के बीच वातचीत होनी चाहिए। हम भी वार्ता के पक्ष में हैं।

अटार्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने किसानों और सरकार के बीच चल रही वार्ता से हल निकलने की उम्मीद जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा कि वातचीत को वढ़ावा देने की जरूरत है। कृषि कानूनों को लेकर दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई 11 जनवरी तक स्थगित कर दी।

चीफ जस्टिस एसए वोवडे, जस्टिस एएस वोपन्ना और वी रामासुब्रमण्यन की वेंच ने टिप्पणी की कि किसान आंदोलन के मसले पर जमीनी स्तर पर कोई सुधार नहीं हुआ है। केंद्र सरकार ने अदालत को वताया कि सरकार और किसानों के वीच इन मसलों पर स्वस्थ विचार-विमर्श जारी है। अटार्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने कहा कि निकट भविष्य में संवंधित पक्षों के किसी नतीजे पर पहुंचने की काफी उम्मीद है और नए कानूनों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर केंद्र का जवाव दाखिल होने की स्थिति में किसानों और सरकार के वीच वातचीत वंद हो सकती है।

संवैधानिक वैधता को चुनौती

सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता मनोहर लाल शर्मा तथा अन्य की याचिका पर सुनवाई कर रहा है। शर्मा ने भी तीनों कृषि कानूनों की संवैधानिक वैधता को चुनौती दे रखी है। अदालत ने शर्मा की याचिका पर केंद्र को नोटिस जारी कर जवाव मांगा है। शर्मा का तर्क है कि केंद्र को संविधान के तहत इन कानूनों को वनाने का अधिकार नहीं है। वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से सुनवाई के दौरान वेंच ने कहा कि यह किसानों से संवंधित मामले हैं। दूसरे मामले कहां हैं, वे कव सूचीवद्ध हैं, हम सारे मामलों की एक साथ सुनवाई करेंगे।

एजी से स्थिति के बारे में पूछा

कोर्ट ने मेहता से कहा कि दूसरे मामलों की स्थिति के वारे मे पता करें कि वे कव सूचीवद्ध हैं। मेहता ने कहा कि इन याचिकाओं पर सुनवाई के लिए पहले कोई निश्चित तारीख नहीं दी गई थी। वेंच ने कहा कि हम इस याचिका को शुक्रवार को सुनवाई के लिए रख रहे हैं। इस वीच संशोधित याचिका को रिकार्ड पर लेने की अनुमति दे रहे हैं। शर्मा चौंकाने वाली याचिकाएं दायर करते हैं और कहते हैं कि केंद्र को कानून वनाने का अधिकार नहीं है।

40 से अधिक किसानों की आंदोलन के दौरान हो चुकी है मौत

42 दिन से दिल्ली की सीमाओं पर आंदोलन कर रहे हैं किसान

3500 करोड़ रुपए का रोजाना नुकसान होने का अनुमान है किसान आंदोलन से

सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को वताया कि सरकार और किसानों के वीच स्वस्थ वातावरण में वातचीत जारी है और इस मामले को आठ जनवरी को सूचीवद्ध नहीं किया जाना चाहिए। इस पर अदालत ने कहा कि हम स्थिति को समझते हैं और सलाह-मशविरे को प्रोत्साहन देते हैं। अगर आप वातचीत की प्रक्रिया के वारे में कहते हैं तो हम इस मामले को सोमवार 11 जनवरी के लिए स्थगित कर सकते है।

> हम स्थिति को समझते हैं और सलाह मशविरे को प्रोत्साहन देते हैं। अगर आप बातचीत की प्रक्रिया के बारे में कहते हैं तो हम इस मामले को सोमवार के लिए स्थगित कर सकते हैं
> - सुप्रीम कोर्ट

‘कोवैक्सीन’: तीसरे चरण के ट्रायल की अड़चनें खत्म

नई दिल्ली। देश में कोरोना वैक्सीन को मंजूरी मिलने को लेकर उठे विवाद के बाद गुरुवार को भारत बायोटेक ने एक बड़ी बाधा पार कर ली है। दरअसल भारत बायोटेक ने अपनी ‘कोवैक्सीन’ के तीसरे चरण के ट्रायल को शुरू करने की घोषणा कर दी है। कंपनी के अनुसार, उसने इस चरण के लिए सफलतापूर्वक वॉलेंटियर के नामांकन का काम पूरा कर लिया है। बता दें कि इससे पहले भारत बायोटेक ने कहा था कि तीसरे चरण के ट्रायल के लिए उसे 26 हजार वॉलंटियर्स की भर्ती करनी थी। इनमें से 23,000 वॉलंटियर्स की भर्ती हो चुकी थी। कंपनी ने कहा था कि कोवैक्सीन के तीसरे चरण का ह्यूमन क्लिनिकल ट्रायल नवंबर के मध्य में शुरू हुआ, जिसका लक्ष्य था पूरे देश में 26,000 वॉलंटियर्स का था। यह कोविड 19 वैक्सीन के लिए भारत का पहला और तीसरे चरण का एकमात्र प्रभावी अध्ययन है। साथ ही भारत में किसी भी वैक्सीन के तीसरे चरण के लिए अब तक का सबसे बड़ा ट्रायल है।

आपात इस्तेमाल के लिए मंजूरी की सिफारिश

दूसरी तरफ इससे पहले भारत के केंद्रीय औषधि प्राधिकरण की एक विशेषज्ञ समिति ने कोवैक्सीन को कुछ शर्तों के साथ आपात इस्तेमाल के लिए मंजूरी देने की सिफारिश की थी।

प्रसिद्ध पंजाबी गायिका मेघा चोपड़ा अपने आगामी गीत ‘लोहड़ी औंदी लोहड़ी’ के प्रचार के लिए पहुंचीं दिल्ली

हाल ही में प्रसिद्ध गायिका मेघा चोपड़ा अपने नवीनतम गीत ‘लोहड़ी औंदी लोहड़ी’ के प्रोमोशन के सिलसिले में दिल्ली में थीं। उन्होंने आज के जमाने के युवा श्रोता-दर्शकों के लिए पारंपरिक लोक गीत ‘सुंदर मुंदरिये’ को आधुनिक वर्जन के साथ बनाया है जो सबको फसलों के उत्सव लोहड़ी की शुभकामनाएं देगा। कनाट प्लेस के होटल शांग्री-ला में आयोजित प्रोमोशन कार्यक्रम में सिंगर मेघा के साथ संगीत निर्देशक शाश्वत भी मौजूद थे। यह गाना आज सभी सोशल

मीडिया प्लेटफॉर्म पर खूब पापुलर हो रहा है। गाने के बारे में मेघा ने कहा, ‘लोहड़ी का त्योहार मेरे दिल के बहुत करीब है। बचपन से मैंने हर साल इस त्योहार को मनाया है। जैसे-जैसे साल खत्म हो रहा था, किसान आंदोलन शुरू हो गया। तभी लोहड़ी के त्योहार को ध्यान में रखते हुए मैंने इस गीत को गाया है। मुझे आशा है कि लोहड़ी की इस रागिनी को सुनने के दौरान लोग तीन मिनटों के लिए अपना तनाव भूल जाएंगे और गीत का भरपूर आनंद उठाएंगे।’

हाईकोर्ट का केंद्र-आप सरकार को नोटिस

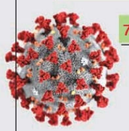

बाल और बंधुआ मजदूरों के पुनर्वास की बताएं योजना

संवाददाता

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी से मुक्त कराए गए कुछ बाल एवं बंधुआ मजदूरों के पुनर्वास के लिए तत्काल वित्तीय सहायतों से जुड़ी एक जनहित याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र और आप सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ ने मुक्त कराए गए एक बच्चे के पिता की याचिका पर केंद्रीय श्रम मंत्रालय और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी कर मामले की आठ फरवरी को अगली सुनवाई तय की। याचिकाकर्ता मोहम्मद कादिर अंसारी ने बाल एवं बंधुआ मजदूरी के 88 पीड़ितों के लिए राहत की मांग की है। इन पीड़ितों में अंसारी का खुद का बच्चा भी शामिल है जो 12 साल की उम्र में काम की तलाश में बिहार से दिल्ली आया था।

14 घंटे कराया गया काम

वकील निमिषा मेनन, कृति अवस्थी और शिवांगी यादव के जरिये दायर याचिका में दावा किया गया कि बच्चे को एक प्रतिष्ठान में काम की पेशकश की गई जहां दो महीनों तक नियोक्ता उसके साथ अमानवीय व्यवहार करता रहा। उसे न्यूनतम मजदूरी तक नहीं दी गई और उससे 14 घंटों तक काम कराया जाता था। अंसारी की तरफ से अधिवक्ता जतिन खुराना भी पेश हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि बच्चे और उसके जैसे अन्य पीड़ितों को अधिकारी केंद्रीय सेक्टर योजना 2016 के तहत पुनर्वास संबंधी वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने में नाकाम रहे।

बिहार: एमएलसी चुनाव में भाजपा को लगेगा झटका

पटना। बिहार में विधानसभा चुनाव जीतने के बाद भाजपा नेताओं में उत्साह है, लेकिन उन्हें एमएलसी चुनाव में नुकसान उठाना पड़ सकता है। दरअसल, बिहार में विधान परिषद की दो सीटों पर 28 जनवरी को चुनाव होना है, जिनमें एक सीट भाजपा से छिनना तय है। माना जा रहा है कि यह सीट राजद की झोली में जा सकती है। दरअसल, ये दोनों सीटें भाजपा के खाते की हैं, लेकिन मौजूदा विधायकों की संख्या के चलते भाजपा अपनी एक सीट गंवा देगी। गौरतलब है कि बिहार विधान परिषद में दो सीटें खाली हैं। पहली सीट बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री सुशील मोदी के राज्यसभा सदस्य चुने जाने से खाली हुई। वहीं, दूसरी सीट खाली होने की वजह विनोद कुमार झा हैं, जो अब विधायक चुने जा चुके हैं। जानकारों के मुताबिक, विधान परिषद में सीटों पर एमएलसी का चुनाव विधानसभा में विधायकों के संख्या बल के आधार पर होता है। इसके तहत विधान परिषद की सीटें सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बंट जाती है। इसके चलते 28 जनवरी को होने वाले चुनाव में भगवा पार्टी को अपनी एक सीट गंवानी पड़ सकती है, क्योंकि सत्तापक्ष की ओर से भाजपा अपना कोई प्रत्याशी उतार सकती है, क्योंकि यह सीट उसके कोटे से खाली हुई है। इसका सीधा फायदा विपक्ष को मिल सकता है, क्योंकि दूसरी सीट पर विपक्ष दावेदारी करेगा। माना जा रहा है कि राजद बिहार की सबसे बड़ी पार्टी है। ऐसे में वह अपना प्रत्याशी उतार सकती है।

16 दिन से लगातार 2.27 लाख से नीचे है सक्रिय मरीजों की संख्या

2.19% हैं कुल संक्रमित मरीजों की तुलना में उपचार करा रहे मरीज

1.45% पर आ गई घटकर कोरोना संक्रमण से मृत्यु होने की दर

17.74 करोड़ नमूनों की कोविड जांच अब तक देशभर में की गई

1.50 लाख के पार पहुंचा कोरोना संक्रमण से मौत का आंकड़ा

70% से ज्यादा मामलों में अन्य बीमारियों से मौत

सक्रिय मरीजों की संख्या घटकर 2.27 लाख पर आई

नई दिल्ली (संवाददाता)। कोरोना के खिलाफ चल रही जंग में भारत को एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। देश में एक करोड़ लोग कोरोना संक्रमण को मात देकर स्वस्थ हो गए हैं। इस तरह कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या घटकर 2.27 लाख रह गई।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटे में संक्रमण से 264 और लोगों की मौत के वाद मृतक संख्या बढ़कर 1,50,114 हो गई। आंकड़ों के अनुसार कुल 99,97,272 लोगों के संक्रमण मुक्त होने के साथ ही, देश में मरीजों के ठीक होने की दर बढ़कर 96.36 फीसद हो गई जवकि कोरोना से मृत्यु दर 1.45 फीसद पर आ गई। देश में लगातार 16 दिन से उपचाराधीन लोगों की संख्या तीन लाख से कम है।

नए स्वरूप ने बढ़ाई चिंता

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि ब्रिटेन में मिले कोरोना के नए स्वरूप से संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या भारत में बढ़कर 71 हो गई है। मंत्रालय ने मंगलवार को बताया था कि नए स्वरूप के देश में 58 मामले हैं। इन सभी को संबंधित राज्य सरकारों ने स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों में एक कक्ष में पृथक वास में रखा हुआ है। उनके करीबी संपर्क में आए लोगों को भी पृथकवास में रखा गया है।

कब कितने ठीक हुए

1 जनवरी 2021	99,05,570
1 दिसम्बर	89,72,711
1 नवम्बर	76,54,757
1 अक्टूबर	53,48,746
1 सितम्बर	29,67,404
1 अगस्त	11,87,272
1 जुलाई	3,35,276
1 जून	91,862
1 मई	10,852
1 अप्रैल	169
1 मार्च 2020	03

कब कितने मरीज

07 अगस्त	20 लाख
23 अगस्त	30 लाख
16 सितम्बर	50 लाख
28 सितम्बर	60 लाख
11 अक्टूबर	70 लाख
29 अक्टूबर	80 लाख
20 नवम्बर	90 लाख
19 दिसम्बर	01 करोड़

ADDRESS
Squartters Colony, Chincholi Gate, Malad East, Mumbai-97
The Food HOUSE
India's Mughlai, Chinese, Restaurant
HALAL
9821927777 / 9987584086
FREE HOME DELIVERY
zomato
SWIGGY

fresh & easy
GENERAL STORE
ALL TYPES OF SAUDI DATES AVAILABLE
SPECIALIST IN: DRY FRUITS
& MANY MORE ITEMS AVAILABLE HERE
Fast & Free DELIVERY
ADDRESS + 91 8652068644 / + 91 7900061017
Shop No. 18, Parabha Apartment, Sejal Park, Beside Oshiwara Bus Depot, Link Road, Goregaon (W), Mumbai-400104

बुलढाणा हलचल

बुलडाणा जिले का नाम राष्ट्रमाता जीजाऊ नगर किया जाए : शिव संग्राम संगठन

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाना। जिले को पूरे महाराष्ट्र में मातृभूमि जिले के रूप में जाना जाता है। बुलडाणा जिले का नाम बदलकर राष्ट्रमाता जीजाऊ नगर कर दिया जाना चाहिए। बुलडाणा जिले का नाम बदलकर राष्ट्रमाता जीजाऊ नगर कर दिया जाना चाहिए क्योंकि यह जिले के सिंदखेडराजा छत्रपति शिवाजी महाराज और राष्ट्रमाता जीजाऊ का जन्मस्थान है। बुलडाना जिले का नाम बदलकर राष्ट्रमाता जिजाऊ नगर किया जाना चाहिए। ऐसी मांग का एक निवेदन 7 जनवरी 2021 को शिव संग्राम संगठन की ओर से जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजा गया है। दिए गए निवेदन में, यह उल्लेख है कि माँ साहब जीजाऊ के छत्रपति शिवाजी जैसे महान पुत्र थे और छत्रपति शिवाजी ने हिंदवी स्वराज्य की स्थापना की और मराठी राष्ट्र को स्वतंत्रता प्रदान की। बुलडाना जिले का नाम तुरंत बदलकर राष्ट्रमाता जीजाऊ नगर कर दिया जाना चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ियां इस इतिहास के उदाहरण का अनुसरण

करके राष्ट्रमाता माँ साहेब जीजाऊ और छत्रपति शिवाजी के विचारों को आत्मसात कर सकें। इसके लिए, बुलडाणा जिले का नाम तुरंत बदलकर राष्ट्रमाता जीजाऊ नगर किया जाना चाहिए। निवेदन में आगे कहा गया है कि चूंकि बुलडाणा नाम का कोई अर्थ नहीं है, इसलिए पिछले दो वर्षों से यह मांग की गई है कि निरर्थक नाम को बदल दिया जाए। इस मांग के लिए, संगठन की ओर से जिले में एक हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया था। नागरिकों की प्रतिक्रिया भारी थी। हालांकि, इस मांग को सरकार ने नजरअंदाज कर दिया। इसलिए, इस मांग को तुरंत पूरा किया जाना चाहिए और बुलदाना जिले का नाम बदलकर राष्ट्रमाता जीजाऊ नगर किया जाना चाहिए, अन्यथा शिव संग्राम संगठन को जिले में आंदोलन की पवित्रता अपनानी होगी। इस तरह की चेतावनी निवेदन के अंत में भी दी गई है। निवेदन देते हुए, शिव संग्राम संगठन के जिला अध्यक्ष संदीप गायकवाड़, संजयचव्हाण, संदीप सपकाळ, गणेश भोसले, शेख शगीर, सुजीत तोडे, प्रल्हाद मोरे, विनाय सोनुने, ज्ञानेश्वर सुरपाटने, नंदु मोहळे, रामदास सरोदे, अनील गावंडे, विठ्ठल राठोड, सुर्यकांत जाधव सहित शिव संग्राम के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दोनों व्यक्तीयों को अवैध शराब बेचते हुए किया गिरफ्तार

बुलडाणा। पुलिस ने अवैध शराब बेचने के आरोप में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से शराब की बोतलें और एक मोटरसाइकिल भी जब्त की है। चिखली पुलिस स्टेशन निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी छगन बाबन नाटेकर 21 वर्ष। कवळा और नंदु बाबूराव इंगळे वय ३० रिहवासी शेलूद दोनों एक मोटरसाइकिल क्रमांक (एम. एच. 28 Y 4597) से

देशी शराब कोंकण ऑरेंज 999 की 300 बोतलों का परिवहन कर रहा था। साथ मे एक बैग भी था। शराब की बोतलें, बैग और मोटरसाइकिल सहित 39,300 रुपये का सामान एएसआय, सुधाकर तारकसे, पो. कॉ सतिश राठोड ने जब्त किया है। आरोपियों को गिरफ्तार भी किया गया है। यह ऑपरेशन उप-विभागीय पुलिस अधिकारी रमेश बरकते के मार्गदर्शन में किया गया।

रामपुर हलचल

अतिक्रमण एवं भीड़ भाड़ पर नियंत्रण करने के लिए चलाया गया अभियान

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा (रामपुर)। नगर के मुख्य सदर बाजार के अन्दर भीड़ भाड़ को देखते हुए पुलिस एवं नगर पालिका परिषद के सहयोग के चलते दुकानों के सामने लगने वाले फड़ तथा रोड के दोनों साइडों पर छोटे एवं चार पहिया वाहनों का तांता लगा रहता है इसी को देखते पुलिस एवं नगर पालिका परिषद दोनों के सहयोग के चलते अतिक्रमण एवं भीड़ भाड़ पर नियंत्रण करने के उददेशय को लेकर अभियान चलाया गया ठेला आदि पर सब्जी एवं फलों की बिक्री करने वाले अभियान की भनक को देखते हुए अपने अपने ठेले लेकर करार हो लिये अभीयान के दौरान अतिक्रमण करने वाले दिखाई न देते हुए ठेले लेकर भागने में सफल रहे अभियान की स्थिति को देखते हुए बाद में अतिक्रमण को फिर से बढ़ावा देने पर उतारू होकर रह जाते हैं पुलिस एवं नगर पालिका परिषद दोनों का अभियान फैल होने की कगार पर चला जाता है यातायात भी अवरूद्ध होकर रह जाता है आने जाने वाले वाहन स्वामियों को अनेकों प्रकार की कठिनाइयां उठाकर अपने अपने गन्तव्य तक पहुंचने में सामना करना पड़ता है!इस मौके पर कोतवाल माधो सिंह बिष्ट महिला एस आई अंश यादव,एस आई सुरेश चन्द्र व अन्य पुलिस कर्मियों सहित न० पा० प० स्टाफ अ० रऊफ,पप्पू डालचन्द्र पंजीराम आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

राजस्थान हलचल

राजस्थान में गहलोत सरकार के खिलाफ मुस्लिम समुदाय की बढ़ती नाराजगी अब चरम पर पहुंचती नजर आने लगी

संवाददाता/सैय्यद अल्ताफ हूसैन

जयपुर। हालांकि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा शुरूआत से लेकर अबतक लगातार सरकारी स्तर पर लिये जा रहे फैसलो मे मुस्लिम समुदाय को हिस्सेदारी के नाम पर लगातार ढेंगा दिखाते आने के बावजूद जारी भारतीय प्रशासनिक व पुलिस सेवा के अलावा राजस्थान प्रशासनिक व पुलिस सेवा की जम्बोजेट तबादला सूची मे किसी भी स्तर के मुस्लिम अधिकारी को मेन स्टीम वाले पदो पर लगाने के बजाय तमाम बर्फ वाले माने जाने वाले पदो पर लगाने से समुदाय मे मुख्यमंत्री गहलोत व उनकी सरकार के खिलाफ शुरूआत से जारी नाराजगी बढ़ते बढ़ते अब चरम सीमा पर पहुंचती नजर आ रही है। फिर भी कांग्रेस नेताओं से बात करने पर उनका जवाब एक ही आ रहा है कि सामने आने वाले वाले उपचुनाव मे मतदान तो कांग्रेस उम्मीदवार के पक्ष मे करने के अलावा अन्य विकल्प भी समुदाय के पास नही है। तो सो प्याज व सो जुतो वाली कहावत हमेशा की तरह आगे भी कहावत समुदाय के तालूक से सही साबित होकर रहेगी। तो गहलोत फिर समुदाय की परवाह क्यो करे।

मुख्यमंत्री गहलोत के पूर्ववर्ती सरकार मे भरतपुर जिले के गोपालगढ मे मस्जिद मे नमाजियों को पुलिस गोली से भूंद कर मोत के घाट उतारने के बावजूद पीडितों को ही जैल मे ढूंसने के अलावा थानेदार फूल मोहम्मद को सवाईमाधोपुर जिले के सूरवाल मे सरकारी ड्यूटी करते हुये भीड़ द्वारा सरेआम जलाकर शहीद करने की घटना के बाद गहलोत व उनके मंत्रीमण्डल के किसी भी सदस्य द्वारा उनके घर जाकर शहीद परिवार को सहानुभूति के दो शब्द तक नही कहने से समुदाय मे आजतक आक्रोश व्याप्त है। इसी तरह अब जबसे गहलोत मुख्यमंत्री बने है उसी दिन से मुस्लिम समुदाय को सत्ता की हिस्सेदारी से पूरी

तीन विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस के खिलाफ समुदाय का बड़ा हिस्सा कर सकता है मतदान

तरह दूर रखने की शुरूआत की वो लगातार धीरे धीरे बढती जा रही है। बढती ही नही जा रही बल्कि यह कहे कि उनका मुस्लिम विरोधी चेहरा अब खुलकर सामने आने लगा है, जिसकी शायद समुदाय ने कभी कल्पना तक नही की होगी।

वसुंधरा राजे सरकार बनाने मे मुसलमानो का कोई खास रोल नही रहने के बावजूद राजे ने यूनूस खान को केबिनेट मंत्री बनाकर परिवहन व पीडब्ल्यूडी जैसे दो महत्वपूर्ण विभागो के अतिरिक्त अनेक अन्य विभागों का प्रभार दे रखा था। राजे के विपरीत गहलोत की सरकार बनाने मे मुस्लिम समुदाय ने अहम किरदार अदा किया। उसके बावजूद गहलोत ने शाले मोहम्मद को मंत्री तो बनाया लेकिन उसको यूनुस खा की तरह महत्वपूर्ण विभाग का प्रभार देने की बजाय केवल मात्र अल्पसंख्यक मामलात विभाग का प्रभार देकर समुदाय को रबड़ की गोली मुंह मे चूसते रहने को दे दी। वसुंधरा राजे ने 2008 मे मदरसा पैराटीचर्स को परमानेंट करके उन्हें पहले प्रबोधक बनाया फिर थर्ड ग्रेड टीचर बनाया। इसके विपरीत गहलोत ने मुख्यमंत्री रहते मदरसा पैराटीचर्स को वादा करने के बावजूद परमानेन्ट करना तो दूर की कोढी बनाकर रख रखा है, साथ मे उन्हें कमजोर करने के अनेक तरह के हथकंडे भी अपनाये जा रहे है। उर्दू को गहलोत सरकार ने लगातार नुकसान पहुचाया है। व विभिन्न तरह के उर्दू व मदरसा पैराटीचर्स के आंदोलन को ऐनकेन सरकार द्वारा कुचला जा रहा है।

राजस्थान के गहलोत के तीसरी दफा मुख्यमंत्री बनने के बाद एक एक करके उनके द्वारा किये गये राजनीतिक कामो पर नजर दोड़ाये तो मुस्लिम समुदाय के तालुक से पाते है कि मंत्रीमंडल मे एक मात्र मुस्लिम विधायक शाले मोहम्मद को मंत्री बनाया। फिर राजस्थान हाईकोर्ट मे सरकार की तरफ से पैरवी करने के लिये एक महाधिवक्ता व सोलह अतिरिक्त अधिवक्ताओं की नियुक्ति की जिसमे एक भी काबिल मुस्लिम एडवोकेट गहलोत को नही मिला। उसके बाद राजस्थान लोकसेवा आयोग के एक चेयरमैन व चार सदस्यों को मनोनीत किया उसमे भी गहलोत को एक काबिल मुस्लिम नही मिला। वही नगर निगमो मे बहुमत मे मुस्लिम पार्षदों के जीतने के बावजूद एक भी मुस्लिम को महापौर का कांग्रेस की तरफ से गहलोत ने उम्मीदवार तक नही बनने दिया। इसके बाद एक मुख्य सुचना आयुक्त व दो सुचना आयुक्त बनाये गये उनमे भी एक भी मुस्लिम चेहरा गहलोत को फिर भी नही मिला। गहलोत के दो साल के कार्यकाल मे मुस्लिम अधिकारियों को लगातार बर्फ वाले पदो पर पोस्टींग देने का सीलसीला जारी रखा एवं रखे हुये है। कुल मिलाकर यह है कि मुस्लिम मतदाताओं की भाजपा के मुकाबले कांग्रेस के पक्ष मे ही सो प्याज खाने व सो जुते खाने वाली कहावत को चरितार्थ करते हुये मतदान करने की मजबूरी को गहलोत भलीभांति समज चुके है। अगर जल्द होने वाले तीन विधानसभा उपचुनावो मे समुदाय कांग्रेस को सबक सीखा देता है तो दिल्ली तक के कांग्रेस नेताओं को दिन मे तारे नजर आने लग जायेगे। वरना हालत दिन ब दिन बदतर होते नजर आयेगे। कुछ पाने के लिये कुछ खोना भी पड़ता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कैल्शियम की कमी से महिलाएं हो रही हैं इस बीमारी की शिकार

ऑस्टियोपोरोसिस की समस्या पुरूषों से ज्यादा महिलाओं में देखने को मिलती है। ऑस्टियोपोरोसिस (osteoporosis) हड्डी का एक रोग है जिससे फ्रैक्चर का खतरा बढ़ जाता है। 50 साल की उम्र के बाद हर तीन में एक महिला को यह समस्या होती है पुरुषों की तुलना में महिलाओं को यह समस्या कैल्शियम के कारण अधिक होती है। आइए जानते हैं कि आखिर क्यों महिलाओं कैल्शियम की कमी के इस रोग की चपेट में आ रही हैं।

महिलाओं को क्यों जल्दी होता है ऑस्टियोपोरोसिस रोग

महिलाएं, पुरुषों के मुकाबले जन्म के वक्त से ही कमजोर होती हैं। वहीं बढ़ती उम्र के साथ-साथ महिलाओं की हड्डियों का द्रव्यमान ज्यादा तेजी से खत्म हो जाता है, जोकि इस रोग का कारण बनता है। दरअसल, हड्डियां कैल्शियम, फॉस्फोरस, प्रोटीन और कई तरह के मिनरल्स से बनी होती हैं। अनियमित जीवनशैली और बढ़ती उम्र के साथ महिलाओं में ये मिनरल्स जल्दी नष्ट हो जाते हैं। इससे हड्डियों का घनत्व कम हो जाता है और वह कमजोर होने लगती है। इसके अलावा कहीं न कहीं डाइटिंग भी महिलाओं में ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बनती है। डाइटिंग के कारण महिलाओं के शरीर को पूरा पोषण नहीं मिल पाता, जिसके कारण वह इस रोग की चपेट में

क्या है कारण?

कैल्शियम की कमी
व्यायाम न करना
बढ़ती उम्र के कारण
सॉफ्ट ड्रिंक पीना
ज्यादा नमक खाने
आनुवंशिक यानि जेनेटिक
प्रोटीन और विटामिन डी की कमी
शराब और धूम्रपान का सेवन
डायबिटीज और थाइरॉयड
जल्दी पीरियड्स खत्म होना

ऑस्टियोपोरोसिस के लक्षण

रीढ़, कलाई और हाथों में दर्द
हड्डी में जल्दी से फ्रैक्चर होना
बहुत जल्दी थक जाना
शरीर में बार-बार दर्द होना
कमर में दर्द होना
हड्डियों और मांसपेशियों में दर्द
पीठ के निचले हिस्से में दर्द
मामूली-सी चोट लग जाने पर फ्रैक्चर होना

ऑस्टियोपोरोसिस का घरेलू इलाज

1. नारियल का तेल
नारियल तेल का सेवन हड्डियों का घनत्व बढ़ता है और इससे शरीर में एस्ट्रोजन की कमी भी पूरी होती है। इससे आप इस बीमारी से बची रहती हैं। इसलिए नारियल तेल को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

2. बादाम का दूध
कैल्शियम से भरपूर बादाम वाले दूध का सेवन शरीर में इसकी कमी को पूरा करता है, जोकि ऑस्टियोपोरोसिस से बचने के लिए जरूरी है। इसके अलावा बादाम के दूध में हड्डियों के लिए जरूरी तत्व मैग्नीशियम, मैगनीज और पौटेशियम भी शामिल होते हैं। इसलिए रोज 1 गिलास बादाम वाला दूध नियमित रूप से पीएं।

3. तिल के बीज
मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, मैंगनीज, तांबा, जिंक और विटामिन डी से भरपूर तिल के बीज भी हड्डियों की कमजोरी को दूर करते हैं। इसलिए अगर आप इस बीमारी से बचना चाहती हैं तो रोज 1 मुट्ठी भुने हुए तिल चबा कर दूध पीएं।

4. धनिया के बीज
धनिया के पत्ते और बीज दोनों में ही मैग्नीशियम, आयरन, कैल्शियम, पोटेशियम और मैंग्नीज आदि पोषक तत्व होते हैं। धनिया के बीजों को गर्म पानी में उबालकर कुछ देर ढक कर रखें उसके बाद गुनगुना होने पर इसमें शहद मिलाकर पीएं। इसके अलावा आप इसके पत्तों और बीजों का इस्तेमाल खाना बनाने के लिए भी कर सकते हैं। इसका सेवन इस बीमारी के खतरे को काफी हद तक कम करता है।

5. मछली का तेल
मछली के तेल के सप्लीमेंट्स में ओमेगा-3 फैटी एसिड, कैल्शियम और विटामिन डी होता है जो हड्डी की घनिष्टता को बढ़ाने में मदद करता है। एक रिसर्च के अनुसार, मछली के तेल में मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड हड्डी और मांसपेशियों को पहुंचने वाले नुकसान को कम करते हैं। इसलिए अपनी डाइट में 1000 मिलीग्राम मछली के तेल के सप्लीमेंट्स जरूर शामिल करें।

इस तरह घर पर बनाकर लगाएं आंवला तेल, बाल दोगुनी तेजी से होंगे लंबे!

लड़कियां लंबे, सुंदर और घने बाल पाना चाहती है। अपनी इस चाहत को पूरा करने के लिए लड़कियां कई तरह के कैमिक्ल युक्त हेयर प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। मगर इन चीजों से कई बार बालों को फायदा पहुंचने की जगह पर नुकसान होने लगता है। ऐसे में आप आंवला तेल का इस्तेमाल करके भी बालों को लंबा, घना और मजबूत बना सकते हैं।

आंवला में विटामिन सी, कैल्शियम, फास्फोरस, आयरन, कैरोटीन और विटामिन बी, फाइबर और काबोर्हाइड्रेट जैसे तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। जो बालों को झड़ने से रोकने के साथ ही उनको लंबा बनाने का काम भी करता है। वैसे तो बाजार में कई आंवला तेल मिल जाएंगे मगर उनसे भी ज्यादा फायदा नहीं मिलता। ऐसे में आप घर पर ही आंवला तेल बनाकर बालों पर लगा सकते हैं। इस तेल का इस्तेमाल करने से कुछ ही दिनों में आपको फर्क दिखाई देने लगेगा।

आंवला तेल बनाने की विधि

तेल बनाने के लिए सबसे पहले आंवला लें। इनको अच्छे से धोने के बाद इसके बीज निकालकर लें। इसके बाद आंवलों को अच्छे से पीस लें। पिसकर आंवले का जूस निकाल लें। अब आंवला जूस में नारियल का तेल मिक्स करके 10 से 15 मिनट के लिए उबलने के लिए रख दें। जब यह ब्राउन हो जाए तो गैस से उतार से लें और ठंडा होने के लिए रख दें। इस तेल को बाल धोने के 20 से 30 मिनट पहले लगाएं। कुछ ही दिनों में फर्क दिखाई देने लगेगा।

पैरों पर आ रहे बदलाव भी करते हैं खराब सेहत की और संकेत

लोग अपनी सेहत को लेकर बहुत फिक्रमंद होते हैं। इसके लिए वह अपने शरीर में आने वाले छोटे से छोटे बदलाव पर खास ख्याल देते हैं लेकिन पैरों को नजरअंदाज कर देते हैं। पैरों में होना वाला दर्द,सूजन,खारिश,रूखापन,छाले, एडियों का फटना आदि के सेहत से जुड़ी परेशानियों पर संकेत देते हैं। जो आगे चलकर गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं। आ

1. पैरों के नाखूनों का बदरंग होना
पैरों के नाखूनों का बदलता रंग, इनका पीला या काला होना फंफूद और संक्रमण की ओर संकेत देता है। यह सोराइसिस और एक्जिमा की और इशारा करते हैं। कुछ लोग येलो नेल सिंड्रोम नाम की बीमारी के शिकार होते हैं। इसमें नाखूनो का रंग पीला पड़ जाता है। जो खराब सेहत की ओर इशारा करते हैं। यह फेफड़ो की सूजन या फेफड़ो में पानी भरने की ओर संकेत करते हैं। लगातार पैरों के नाखूनों का रंग बदल रहा है और प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करने पर भी सही नहीं होता तो इसे नजरअंदाज न करें।

2. पैरों का लगातार ठंड़ा रहना
कुछ लोगों के पैर लगातार ठंडे रहते हैं। ऐसा ब्लड सकुर्लेशन में प्रॉब्लम की वजह से होता है। डायबिटीज, एनीमिया, हार्ट डीजिज, स्मोकिंग करने से भी पैरों में ठंड़क रहती है। शरीरिक कमजोरी के कारण भी पैर ठंड़े रहते हैं।

3. एडियां फटना और पैरों का रूखापन
शरीर में नमी की कमा के कारण पैर फटने शुरू हो जाता हैं। इसके अलावा एक्जिमा,डमेर्टाइटिस, सोराइसिस और एथलीट्स फूट के कारण भी पैरों की त्वचा रूखी सूखी और एड़ियां फटनी शुरू हो जाती है।

4. पैरों में दर्द रहना
कुछ लोगों के पैरों में लगातार दर्द रहता है। इसे नजरअंदाज करने से परेशानी बढ़ सकती है। शरीर में मैग्नीशियम की कमी होने से भी पैरों में दर्द होने लगता है। इसे पूरा करने के लिए बैलेंस डाइट लेना बहुत जरूरी है।

5. पैरों से बदबू आना
पैरों की साफ-सफाई करने के बावजूद भी कुछ लोगों के पैरों से बहुत बदबू आती है। इसका कारण फंगस और बैक्टीरिया हो सकते हैं। पसीना न सूखने के कारण भी पैरों में से बदबू आने लगती है और ज्यादा देर जूते पहनने से बैक्टीरिया ज्यादा पनपने शुरू हो जाते हैं। जिससे बाद में स्किन इंफैक्शन भी हो सकते हैं। मोजो हमेशा साफ-सुथरे रखने और पैर सूखे रखना बहुत जरूरी है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अजय और रकुल प्रीत को लेकर इंद्र कुमार बनाएंगे 'थैंक गॉड'

अजय देवगन और फिल्म डायरेक्टर इंद्र कुमार का साथ बरसों पुराना है। 'इश्क' के जमाने से अब तक उन्होंने कई फिल्में साथ की हैं। एक बार फिर यह जोड़ी साथ में फिल्म करने जा रही हैं। फिल्म का नाम होगा 'थैंक गॉड'। इस फिल्म में अजय देवगन के साथ रकुल प्रीत सिंह और सिद्धार्थ मल्होत्रा भी होंगे। यह एक कॉमेडी मूवी होगी जिसमें एक संदेश भी होगा। फिल्म की शूटिंग 21 जनवरी 2021 से शुरू होने वाली है। फिल्म के निर्माता हैं भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अशोक ठकेरिया, सुनीर खेत्रपाल, दीपक मुकुट, आनंद पंडित और इंद्र कुमार। फिल्म को बड़े स्कैल पर बनाया जाएगा। इंद्र कुमार की पिछली फिल्म 'टोटल धमाल' (2019) में भी अजय नजर आए थे और यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी।

रितिक रोशन के साथ फिल्म करेंगी दीपिका पादुकोण?

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने बीती पांच जनवरी को अपना 35वां जन्मदिन मनाया था। ऐक्ट्रेस को उनको फैंस और बी-टाउन सिलेब्स ने बर्थडे विश किया था। रितिक रोशन ने भी उनको जन्मदिन की बधाई दी थी। रितिक रोशन के बधाई संदेश पर दीपिका पादुकोण ने जो रेप्लाइ किया है, उससे दोनों के एक साथ फिल्म करने की तरफ इशारा है। हालांकि, इस बात की अभी पुष्टि नहीं हुई है और ये आने वाला समय ही बताएगा दोनों फिल्म करेंगे या नहीं। रितिक रोशन ने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा था, जन्मदिन मुबारक हो डियर दीपिका पादुकोण! हमेशा चमकते रहो और दुनिया को चमकाते रहो। दीपिका पादुकोण ने ऐक्टर के ट्वीट पर रेप्लाइ करते हुए लिखा, शुक्रिया रितिक रोशन! अब कुछ दिनों में एक और बड़ा सेलिब्रेशन होने वाला है... । दीपिका पादुकोण के ट्वीट ने सभी का ध्यान खींचा क्योंकि फैंस को ऐसा लग रहा है कि वह जल्द ही रितिक रोशन के साथ फिल्म में नजर आ सकती हैं। वहीं, फैंस दीपिका पादुकोण और रितिक रोशन से एक साथ फिल्म करने के लिए रिक्वेस्ट कर रहे हैं।

राजकुमार और भूमि ने शुरू की 'बधाई दो' की शूटिंग

भूमि पेडनेकर और राजकुमार राव की फिल्म 'बधाई दो' की मंगलवार की शूटिंग शुरू हो गई है। दोनों स्टार्स ने सोशल मीडिया पर इस बात की जानकारी दी है। बीते साल 2020 में अक्टूबर में इस फिल्म की घोषणा की गई थी। 'बधाई दो' दो एक फैमिली कॉमिडी फिल्म है। राजकुमार राव और भूमि पेडनेकर ने अपने-अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म के सेट तस्वीरें शेयर की हैं। एक तस्वीर में भूमि पेडनेकर और राजकुमार राव ने क्लैपबोर्ड को पकड़ रखा है। दूसरी तस्वीर में दोनों डायरेक्टर हर्षवर्धन कुलकर्णी के साथ नजर आ रहे हैं। दोनों स्टार्स ने लिखा है, शुरू हो गई है हमारी कहानी, जहां है दोनों राजा और रानी, शार्दुल और सुमी है एकदम प्यारे, ये दोनों है सिचुऐशन के मारे, मिलेंगे हम आपसे जल्द, हो जाएगा तब सब क्लियर और तब हम कहेंगे बधाई दो। फिल्म बधाई दो साल 2018 में सुपरहिट फिल्म की सुपरहिट बधाई हो की सीक्वल है।